University in News on 03 April 2024

i-NEXT PAGE 4

एलयू पढ़ाएगी नैतिकता का पाठ

GOOD NEWS

राजनीति विज्ञान विभाग ने पीएचडी कोर्स में एथिक्स के पेपर में किया संशोधन

महामाया राजकीय महाविद्यालय महोना

यहां भी 10 अप्रैल से यूजी कोर्सों में प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी. प्रिंसिपल प्रोफेसर डा. शहला नुसरत किदवई ने बताया कि अभ्यर्थी वेबसाइट https//admission.mgdcmahona.in/ के माध्यम से रजिस्ट्रेशन करा सकेंगे. इसकी फीस 100 रुपये है. प्रवेश के लिए बीए में 420, बीएससी 120, बीकाम में 60 सीटें हैं.

वोकेशनल कोर्स की सूची जारी

डीएवी डिग्री कालेज ने बीए दूसरे व चौथे सेमेस्टर के वोकेशनल कोर्सों की सूची जारी कर दी है. प्राचार्य प्रो. राजीव कुमार त्रिपाठी ने बताया कि बीए दूसरे व चौथे सेमेस्टर में वोकेशनल कोर्सों के छह-छह विषय दिए हैं. स्टूडेंट्स को प्रत्येक सेमेस्टर में किसी एक को ही चयनित करना है.

LUCKNOW (2 APRIL): लखनऊ विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग से पीएचडी करने वाले स्टूडेंट्स अब कोर्स में शोध और प्रकाशन में नैतिकता के बारे में सीखेंगे. विभाग ने हाल ही में बोर्ड आफ स्टडीज की बैठक में पीएचडी कोर्स के अंतर्गत एथिक्स के पेपर में इसे शामिल किए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है.

किस आधार पर करना है शोध

राजनीति विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. मनुका खन्ना ने बताया कि देखा जा रहा है कि शोधार्थी कई बार रिसर्च आदि में दूसरे की कापी कर लेते हैं या बिना सर्वे डेटा बना लेते हैं. अब ऐसा न हो, इसलिए कोर्स में शोध और प्रकाशन में नैतिकता के बारे में बताया जाएगा, जिससे शोधार्थी जान सकेंगे कि उन्हें किस आधार पर शोध करना है. इसके अलावा सर्वे आधारित संख्यात्मक दृष्टिकोण का मैथेड भी सिखाया जाएगा ताकि डेटा एनालिसिस के जरिए शोध कर सकें. गौरतलब है कि इस बार एलयू ने प्री पीएचडी कोर्सवर्क के पाठ्यक्रम में बदलाव किया है.

एपी सेन गर्ल्स कालेज

बीए, बीकाम व एमए में प्रवेश के लिए बुधवार से आफलाइन आवेदन फार्म कालेज से सुबह नौ से दोपहर तीन बजे तक प्राप्त किए जा सकते हैं. प्राचार्य प्रोफेसर रचना श्रीवास्तव ने बताया कि आनलाइन आवेदन फार्म 10 अप्रैल से वेबसाइट www.apsencollege.org पर उपलब्ध होंगे. आवेदन शुल्क 500 रुपये है. बीए में 475, बी.काम 80, एमए हिंदी 60 और एमए समाजशास्त्र में 60 सीटें हैं.

JAGRAN CITY PAGE III

अब शोध में नैतिकता भी सीखेंगे शोधार्थी

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग से पीएच.डी करने वाले शोधार्थी अब पाठ्यक्रम में शोध और प्रकाशन में नैतिकता के बारे में सीखेंगे। विभाग ने हाल ही में बोर्ड आफ स्टडीज की बैठक में पीएच.डी पाठ्यक्रम के अंतर्गत एथिक्स के पेपर में इसे शामिल किए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

राजनीति विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मनुका खन्ना ने बताया कि अक्सर देखा जा रहा है कि शोधार्थी कई बार रिसर्च आदि में दूसरे की कापी कर लेते हैं या बिना सर्वे डेटा बना लेते हैं। अब ऐसा न हो, इसलिए कोर्स में शोध और प्रकाशन में नैतिकता के बारे में बताया जाएगा, जिससे शोधार्थी जान सकेंगे कि उन्हें किस आधार पर शोध करना है। सर्वे आधारित संख्यात्मक दृष्टिकोण का मैथेड सिखाया जाएगा ताकि डेटा एनालिसिस के जरिए शोध कर सकें।

आनलाइन प्रवेश पूरे जल्द शुरू होगी पढ़ाई

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से आनलाइन बी.काम. और एम.काम. कोर्स में दाखिले की प्रक्रिया मंगलवार को पूरी हो गई। विश्वविद्यालय ने 31 मार्च तक पंजीकरण कराने वालों को दो अप्रैल तक शुल्क जमा करने का मौका दिया था। यह समय अवधि समाप्त हो गई। जल्द ही प्रवेश लेने वाले छात्र-छात्राओं के लिए आनलाइन ओरिएंटेशन प्रोग्राम होगा। 15 अप्रैल के बाद आनलाइन माध्यम से पढ़ाई शुरू हो जाएगी।

दरअसल, आनलाइन कोर्सों में जितने छात्र-छात्राएं प्रवेश लिए हैं, उन सभी के अभिलेखों का सत्यापन किया जाएगा। यह प्रक्रिया पूरी करके 15 अप्रैल तक प्रवेशित सभी विद्यार्थियों का विवरण यूजीसी को भेजना होगा। उसके बाद प्रवेश लेने वाले सभी विद्यार्थियों को लागइन आइडी व पासवर्ड दिया जाएगा। बी.काम. व एम.काम. कोर्स का आनलाइन स्टडी मटीरियल उसी पर उपलब्ध रहेगा।

THE PIONEER PAGE 3

Team of auditors visits varsity

Lucknow (PNS): A team of 34 auditors representing 23 countries visited Lucknow University on April 1 as part of the 159th International Training Programme on 'Implementation Auditing', organised by the International Centre for Information Systems and Auditing (ICISA).

During their visit, the delegation aimed to gain insights into various facets of academic excellence at Lucknow University and explore its historical and cultural sites. Prof Manuka Khanna, dean of recruitment & assessment cell and head of the department of political science, delivered the welcome address.

DSW Prof Sangeeta Sahu delivered a presentation highlighting the university's achievements and operational processes, including financial, administrative, and audit protocols. The delegation visited the Archaeological Museum, where Prof Piyush Bhargava provided insights into the artifacts. They then proceeded to visit both museums located in the department of anthropology, where HoD Prof Keya Pandey offered detailed information.

NBT PAGE 4

LU के अर्थशास्त्र विभाग के शोध में सामने आया तथ्य

UP में सरकारी योजनाओं से सुधरी महिलाओं की स्थिति

■ एनबीटी संवाददाता, लखनऊ

उत्तर प्रदेश में सरकारी योजनाओं से महिलाओं की स्थिति पहले से बेहतर हुई है। महिलाओं की स्वास्थ्य, साक्षरता और कार्यबल में भागीदारी बढ़ी है। यह तथ्य एलयू के अर्थशास्त्र विभाग के एक शोध में सामने आए हैं। यह शोध 'द इंडियन जर्नल ऑफ लेबर इकोनॉमिक्स' में प्रकाशित हुआ है।

अर्थशास्त्र विभाग की प्रो. रोली मिश्रा ने उनके अंडर में शोध करने वाले विष्णु कुमार के साथ वर्ष 2011-12 और 2020-21 के बीच का विश्लेषण कर 'लिंग असमानता सूचकांक' का निर्माण किया है। यह सूचकांक तीन आयामों स्वास्थ्य, सशक्तिकरण और श्रम बाजार में महिलाओं की भागीदारी पर आधारित है। प्रो. रोली ने बताया कि वर्ष 2011-12 में महिलाओं के लिए जीवन प्रत्याशा (एलईबी) 0.270, अंडरग्रेजुएट एजुकेशन या सशक्तिकरण (यूजीई) 0.129 और श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) 0.269 था। वहीं वर्ष 2021-22 में यह क्रमशः 0.310, 0.308 और 0.240 हो गया।

शोध के नतीजे

- लैंगिक समानता और बेहतर आर्थिक विकास के लिए कार्यबल संग शिक्षा के क्षेत्र में भी महिला भागीदारी और बढ़ाने की जरूरत।
- महिलाओं को प्राथमिकता देने वाली रोजगार केंद्रित विकास रणनीति को व्यावहारिक होना चाहिए।
- श्रम बाजार की संरचना में बदलाव हो। महिलाओं को कार्यबल में शामिल होने के अधिक मौके दिए जाने चाहिए।
- सरकार को स्वास्थ्य और शिक्षा प्रणाली में सुधार के लिए बुनियादी ढांचे का निर्माण और अत्याधुनिक नीतियों को डिजाइन करने की जरूरत है।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

विद्यार्थियों को तनाव प्रबंधन के गुर भी सिखाएगा लविवि

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय छात्र-छात्राओं को कार्यस्थल पर काम के साथ तनाव प्रबंधन के गुर पढ़ाएगा। इसके लिए विवि के वाणिज्य विभाग की ओर से वर्क स्ट्रेस मैनेजमेंट नाम का प्रश्नपत्र शुरू किया जाएगा।

बीकॉम पाठ्यक्रम में पढ़ाए जाने वाले इस पेपर का सिलेबस तैयार किया जा चुका है। नए सत्र से इसे विद्यार्थियों को पढ़ाया जाएगा। वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष प्रो. राममिलन ने बताया कि नई शिक्षा नीति में कोकॉरिकुलर और वोकेशनल पाठ्यक्रम पढ़ाने के विकल्प के तौर पर यह विशेष पेपर तैयार किया गया है। उन्होंने बताया कि विवि और शैक्षिक संस्थानों पर हमेशा से यह दबाव रहा है कि वह उद्योग केंद्रित शिक्षा से छात्र-छात्राओं को जोड़ें। लेकिन कार्यस्थल पर तनाव संतुलन और नियंत्रण के बारे में किसी ने नहीं सोचा है। लविवि ने इस दिशा में बेहतर कदम उठाया है। इससे विद्यार्थी तनाव को प्रबंधित करना सीख पाएंगे। उन्होंने बताया कि बीकॉम तीसरे सेमेस्टर के छात्र-छात्राएं इस पेपर को पढ़ेंगे।

बीकॉम में शामिल होगा वर्क स्ट्रेस मैनेजमेंट का पेपर

डिजिटल लिटरेसी और शेयर मार्केट भी जानेंगे

वोकेशनल और कोकॉरिकुलर पाठ्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थी इन्वेस्टिंग इन सिक्योरिटीज मार्केट व डिजिटल लिटरेसी पेपर को पढ़ाया जाएगा। एक पेपर में प्रतिभूतियों में निवेश की विधा और समय पढ़ाया जाएगा तो दूसरे में तकनीक के दौर में डिजिटल संसाधनों में विद्यार्थी कैसे निपुण हों, बताया जाएगा।